Title: Introduction of the Public Employment (Recruitment) Bill, 2000.

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) : ्स्भापित महोद्य, मैं प्रस्ता्व करता हूं कि लोक नि्योजन में ्भर्ती का विनिम्यन तथा उ्स्से ्स्ंसक्त वि््यों का उप्बंध करने वाले विध्यक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जा्ये।

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for regulation of recruitment in the public employment and for matters connected therewith."

The motion was adopted.

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) : ्स्भापित महोद्य, मैं विध्यक पुरःस्थापित भी करता हूं।

\*Published in the Gazettee of India Extraordinary Partll- Section 2, dated 5.5.2000

15.08 hrs.